

सं० ओ० वि०/एफ.डी./42-87/22874.—चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मै० करतार सिंह प्रोप. ग्रीन स्टोन कं. महान नं. 131, सैक्टर 16-ए, फरीदाबाद, के अमित ओ नानगा, मार्फत राष्ट्रीय खान मजदूर यूनियन, 7 जन्म मन्त रोड, नई दिल्ली तथा उसके प्रबन्धकों के मध्य इस में इसके बाद लिखित मामले के सम्बन्ध में कोई औद्योगिक विवाद है ;

और चूंकि हरियाणा के राज्यपाल इस विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्विष्ट करना वांछनीय समझते हैं ;

इसलिए, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुये हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 7-क के अधीन गठित औद्योगिक अधिकरण, हरियाणा, फरीदाबाद को नीचे विनिर्दिष्ट मामला जोकि उक्त प्रबन्धकों तथा अमितों के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है अथवा विवाद से सुसंगत या सम्बन्धित मामला है न्यायनिर्णय एवं पंचाट तीन मास में देने हेतु निर्विष्ट करते हैं :—

क्या श्री नानगा की सेवाओं का समापन न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?

सं० ओ० वि०/एफ.डी०/39-87/22881.—चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मै० करतार सिंह प्रोप. ग्रीन स्टोन कं. महान नं० 131, सैक्टर 16-ए, फरीदाबाद के अमित श्री कैरिया, मार्फत राष्ट्रीय खान मजदूर यूनियन, 7 जन्म मन्त रोड, नई दिल्ली तथा उसके प्रबन्धकों के मध्य इस में इसके बाद लिखित मामले के सम्बन्ध में कोई औद्योगिक विवाद है ;

और चूंकि हरियाणा के राज्यपाल इस विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्विष्ट करना वांछनीय समझते हैं ;

इसलिए, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुये हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 7क के अधीन गठित औद्योगिक अधिकरण हरियाणा, फरीदाबाद को नीचे विनिर्दिष्ट मामला जोकि उक्त प्रबन्धकों तथा अमितों के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है अथवा विवाद से सुसंगत या सम्बन्धित मामला है न्यायनिर्णय एवं पंचाट तीन मास में देने हेतु निर्विष्ट करते हैं :—

क्या श्री कैरिया, की सेवाओं का समापन न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?

सं० ओ० वि०/यमुना/44-87/22888.—चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मै० वल्लभ फोरजिगज इण्डस्ट्रियल एरिया, यमुनानगर, के अमित श्री अर्जुन सिंह, पुत्र श्री डिडू राम, गांव फुसगढ़, डा. हरनौल, तहसील जगाधरी, जिला अम्बाला तथा उसके प्रबन्धकों के मध्य इस में इसके बाद लिखित मामले में कोई औद्योगिक विवाद है ;

और चूंकि हरियाणा के राज्यपाल इस विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्विष्ट करना वांछनीय समझते हैं ;

इसलिये, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुये हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी अधिसूचना सं. 3(44)84-3-अम, दिनांक 18 अप्रैल, 1984 द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 7 के अधीन गठित अम न्यायालय, अम्बाला को विवादग्रस्त या उससे सम्बन्धित नीचे लिखा मामला न्यायनिर्णय एवं पंचाट तीन मास में देने हेतु निर्विष्ट करते हैं जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा अमितों के बीच या विवादग्रस्त है या विवाद से सुसंगत अथवा सम्बन्धित मामला है :—

क्या श्री अर्जुन सिंह पुत्र श्री डिडू राम की सेवाओं का समापन न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?

सं० ओ० वि०/एफ.डी./126-87/22895.—चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मै० रसिक इन्टरनेशनल लि०, प्लॉट नं. 40-45, डी.एन.एफ., इण्डस्ट्रीयल एरिया, फरीदाबाद, के अमित श्री देव चन्द शर्मा, मार्फत रसिक इन्टरनेशनल वर्करज यूनियन, जी-162, इन्दरा नगर, सैक्टर-7, फरीदाबाद तथा उसके प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले के सम्बन्ध में कोई औद्योगिक विवाद है ;

और चूंकि हरियाणा के राज्यपाल इस विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्विष्ट करना वांछनीय समझते हैं ;

इसलिए, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुये हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 7क के अधीन गठित औद्योगिक अधिकरण, हरियाणा, फरीदाबाद, को नीचे विनिर्दिष्ट मामले जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा अमितों के बीच या तो विवादग्रस्त मामला/मामले हैं अथवा विवाद से सुसंगत या सम्बन्धित मामला/मामले हैं न्यायनिर्णय एवं पंचाट तीन मास में देने हेतु निर्विष्ट करते हैं :—

क्या श्री देव चन्द शर्मा की सेवाओं का समापन न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?